Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur

**Answer Script Details**
**Barcode** 10757550

**Roll No.** 23263005400
**Total Mark** 46/75.00
**Exam** BA_V_ODD_EXAM_NOV_2025
**Subject** A010502T - Hindi Ka Rastriya Kavy

**Question wise Mark Summary**

| Q.No | Mark | Q.No | Mark | Q.No | Mark | Q.No | Mark |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1A | 3/5 | | | | | | |
| 1B | 3/5 | | | | | | |
| 1C | 3/5 | | | | | | |
| 1D | 3/5 | | | | | | |
| 1E | 3/5 | | | | | | |
| 1F | 3/5 | | | | | | |
| 1G | 2/5 | | | | | | |
| 1H | 3/5 | | | | | | |
| 1I | 3/5 | | | | | | |
| 2 | 0/15 | | | | | | |
| 3 | 0/15 | | | | | | |
| 4 | 10/15 | | | | | | |
| 5 | 0/15 | | | | | | |
| 6 | 0/15 | | | | | | |
| 7 | 0/15 | | | | | | |
| 8 | 10/15 | | | | | | |
| 9 | 0/15 | | | | | | |

# Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
# Kanpur, Uttar Pradesh

**PART-I**

Date of Exam 17/11/2025 Shift: III Room No.: 25

Paper Code A010502T Subject: Hindi Year/Sem: 5th

Name of Candidate: Aditi Mishra

Roll No. 2 3 2 6 3 0 0 5 4 0 0

COE Facsimile

Signature of Invigilator

Signature of Candidate: Aditi Mishra

**PART-II**

MARKS OBTAINED

| Q. | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (a) | | | | | | | | | | |
| (b) | | | | | | | | | | |
| (c) | | | | | | | | | | |
| (d) | | | | | | | | | | |
| (e) | | | | | | | | | | |
| (f) | | | | | | | | | | |
| (g) | | | | | | | | | | |
| (h) | | | | | | | | | | |
| (i) | | | | | | | | | | |
| (j) | | | | | | | | | | |
| Total | | | | | | | | | | |

Total Marks in Figures — Max. Marks

Total Marks in Words

A 0 1 0 5 0 2 T

Paper Code

Signature of Evaluator

**PART-III**

Course: BA Semester 5th

Session: 2025-2026 Year/Semester: 5th

Subject: Hindi ka Rashtriya Kavya

Paper Code: A 0 1 0 5 0 2 T

Exam Date: 1 7 1 1 2 0 2 5

Name of Candidate: ADITI MISHRA

Father's Name: AJAY KUMAR MISHRA

महाविद्यालय का कोड College Code: KN04

परीक्षा केन्द्र का कोड Exam Centre Code: KN04

परीक्षा का प्रकार Type of Exam

संस्थागत Regular ● / भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex Student ○

व्यक्तिगत Private ○ / बैक पेपर परीक्षा Back paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.

**10757550**

A 0 1 0 5 0 2 T

Paper Code

**PART-IV**

नामांकन संख्या Enrollment Number: C S J M A 2 3 0 0 0 1 2 1 8 1 5

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number: 2 3 2 6 3 0 0 5 4 0 0

पेपर कोड Paper Code: A 0 1 0 5 0 2 T

Signature of Candidate: Aditi Mishra

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट : 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. बॉक्स में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जाएं। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जाए।

## INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

## INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below blacken the circles completely.

| Correct method | Incorrect method |
|---|---|
| ① ● ③ ④ | ✓ ✗ ◉ ● |

4. Make no Stray marks on this sheet.
5. **DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.**

## परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़े।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र कोड सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1–24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसके परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पैंसिल का प्रयोग न करें।
10. B कॉपी या अतिरिक्त ग्राफ नहीं दिया जायेगा।

## IN ORDER TO AVOID UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/ electronic watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

## INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-32) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Subject Name and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex-Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

## अनुचित साधन से बचने हेतु:

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखे तथा कोई भी चिन्ह न बनाये क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लाये, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लैस साइंटफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रूपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

## INSTRUCTIONS TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numberals in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

| | 1 | 8 | 1 | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 | 6 | 9 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 1 | ● | 1 | ● | 1 | 1 | 1 | 1 | ● | 1 | 1 |
| 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | ● | 2 | 2 | 2 |
| 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | ● | 3 | 3 | 3 | 3 |
| 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | ● | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 |
| 5 | 5 | 5 | 5 | ● | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | ● | 6 |
| 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 |
| 8 | 8 | ● | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 |
| 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | ● |

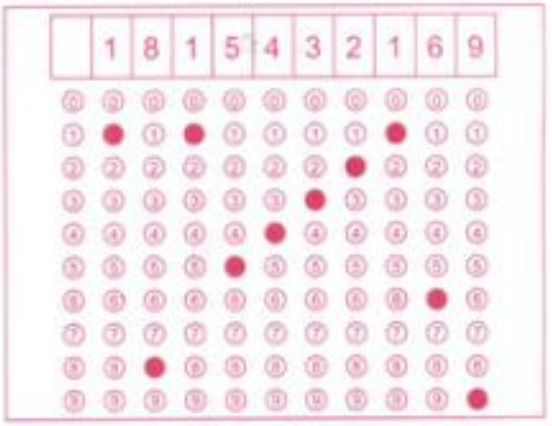

**Note - If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns.**

खण्ड - अ (लघु उत्तरीय प्रश्न)

1. (a) सोहनलाल द्विवेदी जी एक सच्चे राष्ट्रकवि थे। इसका प्रमाण उनके द्वारा रचित 'तुम्हें नमन' (चल पड़े जिधर दो डग मग में) नामक रचना में भी मिलता है।
इस कविता में उन्होंने महात्मा गाँधी जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला है।
सोहनलाल द्विवेदी जी गाँधी जी से, उनकी विचारधारा से, उनके आंदोलनो से तथा उनके नेतृत्व से बहुत प्रभावित थे।
इनकी रचनाओं में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रभक्ति की भावना दिखाई देती है।
संपूर्ण राष्ट्र में राष्ट्रीयता की भावना को प्रकाशित करने में इन्होंने योगदान दिया है।
इनकी कविताओं से देश के युवाओ के हृदय में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना का संचार हुआ।
जिस प्रकार गाँधी जी देशभक्त थे और इन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अनेक प्रयास किए तथा आंदोलनो को आयोजित किया ठीक उसी प्रकार इन्होंने देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए अपनी रचनाओ को माध्यम बनाया।
ये जीवनभर गाँधी जी के बताए आदर्शों मे चले।
इस कथन को कहने में कोई संदेह नहीं कि सोहनलाल द्विवेदी जी की रचनाएं राष्ट्रीय काव्यधारा की विशेष रचनाओं में एक हैं।

Paper Code A O 1 0 5 0 2 T

02

(b) श्याम लाल गुप्त 'पार्षद' राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रतिष्ठित कवियों मे से एक है।
इनकी रचनाओं में देशप्रेम और राष्ट्रीयता की भावना देखने को मिलती है।
इन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश के युवाओं के अंदर देश की रक्षा के लिए उत्साह का संचार करने हेतु काव्य रचनाओं का निर्माण किया।
इनकी प्रसिद्ध कविता 'झण्डा गीत' है जिसमें वे संदेश देते हैं कि युवा लोग अपने राष्ट्रीय ध्वज को कभी झुकने न दे क्योंकि वह हमारे देश का गौरव है अर्थात् हमारे लिए हमारा राष्ट्रीय ध्वज सबकुछ है।
इसी भावना को लेकर हम सबको आगे बढ़ना है।
इनकी रचनाओं में समानता की भावना देखने को मिलती है।
इन्होंने उत्तम कविताएं लिखी हैं और राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों में अपना नाम स्थापित किया है।
इन्होंने राष्ट्रीय ध्वज का सदैव सम्मान करने की सीख दी है और इसी को लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया है।
इन्होंने अपनी रचनाओं में अतीत के गौरव का भी गान किया है।
इनकी कविताएँ देश के लोगों में मातृभूमि व देश के प्रति प्रेम को उजागर करती है।

(c) 'रामधारी सिंह दिनकर' जी राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि हैं।
इनकी प्रमुख कविताएँ हैं — 'कलम आज उनकी जय बोल' और हिमालय।
इनकी कविताओं में राष्ट्रीयता की भावना देखने को मिलती है।
इन्होंने अपनी रचनाओं व कविताओं के माध्यम से देश के वीर शहीदों का गुणगान किया है। जिस प्रकार उन वीर शहीदों ने देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था उसी त्याग, बलिदान, समर्पण व राष्ट्रीय भावना को उन्होंने अपनी कविताओं में रेखांकित किया ताकि सभी युवा अपने वीर शहीदों के बलिदान को सदैव याद करें तथा स्वतंत्रता की कीमत समझे और देश के लिए बलिदान होने के लिए सदैव तत्पर रहें।
उन्होंने वीर शहीदों के विषय में बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपनी अस्थियाँ बार-बार जलाकर देश के लोगों के हृदय में क्रान्ति की भावना को उत्पन्न किया।
इसके साथ वह 'हिमालय' कविता में हिमालय के माध्यम से देश की जनता को संबोधित करते हैं और उन्हें चुप रहकर सहन करने की जगह समाज में फैली सामाजिक विसंगतियों के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देते हैं।
उन्होंने अपनी कविता में देश के गौरवशाली अतीत को भी स्थान दिया।
इनकी रचनाएँ राष्ट्रीय चेतना का संचार सभी के हृदय में करती हैं।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code A 0 1 0 5 0 2 T



(d) सुभद्रा कुमारी चौहान जी छायावादी युग की रचनाकार हैं। इनका जन्म 4 अप्रैल 1904 को इलाहाबाद में हुआ था। इन्होंने क्रॉस्थवेट गर्ल्स कॉलेज से अध्ययन किया। छोटी उम्र में इनका विवाह लक्ष्मण सिंह के साथ हो गया। इनकी पाँच संतानें थीं। इनकी मृत्यु 16 अगस्त 1948 को हो गई थी।

कविताओं में राष्ट्रीय भावना

• वीरों का कैसा हो वसन्त' कविता में इन्होंने बताया कि जो वीर हैं इनका वसन्त प्राकृतिक सौंदर्य में नहीं है अपितु युद्धभूमि में है। इस कविता में उन्होंने वीरों को उनका दायित्व समझाया है कि एक तरफ प्रकृति के रंग हैं दूसरी तरफ रण है परन्तु वीर को सदैव रण अर्थात युद्धभूमि का ही चयन करना चाहिए क्योंकि शोषित वर्ग का कल्याण वही कर सकते हैं युद्ध करके। इस प्रकार उन्होंने अपनी रचना में देश के लिए बलिदान देने की बात कही है।

• झाँसी की रानी' कविता में उन्होंने झाँसी की रानी के देशप्रेम व संपूर्ण जीवन दिखलाया है जिससे युवा वर्ग को प्रेरणा मिले। झाँसी की रानी के माध्यम से वह हम सब को सीख देती हैं कि परिस्थिति चाहे जैसी भी हो सदैव मजबूत रहना चाहिए।

(c) मैथिलीशरण गुप्त की रचनाओं में राष्ट्रीयता की भावना प्रकाशित होती है।
उन्होंने अपनी रचनाओं में पूर्वजों को स्मरण किया है तथा देश के गौरवशाली इतिहास का वर्णन किया है।
'आर्य' कविता में उन्होंने आर्यजन के माध्यम से खुद के लिए नहीं अपितु दूसरों के लिए जीने की प्रेरणा दी है।
उन्होंने यह भी सीख दिया है कि जीवन रूपी नदी में सदैव सतकर्मों का बीजारोपण करो, मदिरा आदि बुरे आचरणों से बचो, सत्य व अहिंसा के मार्ग में चलो जो सुख रूपी संपत्ति देगा।
इसके साथ तन-मन-धन से हरि भजन करो तथा ब्रह्मानन्द में डूबे रहो।
उन्होंने देश की महिमा बताई है कि संपूर्ण विश्व में भारत ही है जो प्रकृति की लीला स्थली है, उन्होंने अपने देश के स्वर्णिम इतिहास को देखने की सीख दी है।
'मातृभूमि' कविता में उन्होंने मातृभूमि का चित्रण देवी के रूप में किया है जिस के कारण सभी लोगों के हृदय में देश के प्रति सम्मान व आदर की भावना उत्पन्न हो।
उन्होंने मातृभूमि को माता मानने के लिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार माता पालन-पोषण करती है शिशु का उसी प्रकार जन्म लेने के बाद मातृभूमि हमें रक्षा प्रदान करती है, खाने के लिए अन्न व पीने के लिए जल देती है। मातृभूमि का सजीव चित्रण किया है।

Paper Code A 0 1 0 5 0 2 T

06

(4) भारतेन्दु हरिश्चंद्र जी युग प्रवर्तक हैं उन्हीं के आधार पर 'भारतेन्दु युग' रखा गया है।
इस युग की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना का स्वर सुनने को मिलता है।
इस युग को 'नवजागरण' युग भी कहा जाता है।
इन काव्य रचनाओं में सामाजिक कुरीतियों तथा विसंगतियों का खण्डन किया गया है।
समाज में फैले अंधविश्वास का विरोध किया गया है।
इसके अतिरिक्त सरल भाषा का प्रयोग हुआ है ताकि राष्ट्रीयता की भावना सभी के अंदर प्रकाशित हो सके।
इस युग की कविताओं में देश के वीरों को बलिदान देने के लिए (देश के प्रति) प्रोत्साहित किया गया है।
अंग्रेजों का [illegible] किया है ताकि लोग उनके असली चेहरे देखें और क्रान्ति करके स्वतंत्रता को प्राप्त करें।
इस युग की कविताएं देशप्रेम को उत्पन्न करती हैं।

A 0 1 0 5 0 2 T



(g) गुरु गोविन्द सिंह जी सिखों के 10वें गुरु हैं।
इनका जन्म 1666 को बिहार में हुआ था।
इन्होंने 1699 को 'बैसाखी' वाले दिन 'खालसा पंथ' की स्थापना की जिसके कारण अन्याय का विरोध हो सके।
उन्होंने 'गुरु ग्रन्थ साहिब' को सिखों के गुरु के रूप में प्रतिष्ठापित कर दिया।

इनकी प्रमुख रचनाएं हैं —

दशम ग्रंथ, ब्रम्हा अवतार, विष्णु जी के 24 अवतार, रुद्रावतार, जाप साहिब, चंडी दीवार।

इनकी रचनाओं में भक्ति और वीरता देखने को मिलती है।

इन्होंने औरंगजेब को 'जफरनामा' लिखा था।
इन्होंने युद्ध का सजीव वर्णन किया है तथा वर्णित किया है कि युद्ध भूमि में ऐसा लगता है मानो खून की होली खेली जा रही हो।
भाल वाद्ययन्त्र बन जाते हैं, तलवारें पिचकारी बन जाती हैं।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code A01050 2T



(क) 'आल्हा खण्ड' वीरगाथा काल के कवि जगनिक ने लिखा है।
इसमें इन्होंने महोबा के दो वीर योद्धा आल्हा और ऊदल की वीरता का वर्णन किया है किस प्रकार इन्होंने महोबा के राजा परमाल और मातृभूमि को बचाने के लिए युद्ध किया।
' ~~आल्~~ नैनागढ़ की लड़ाई और आल्हा का विवाह
आज यह ग्रन्थ विलुप्त है परन्तु इसकी वीरगाथाएँ आज भी बुन्देलखण्ड के क्षेत्रों में लोककथा के माध्यम से प्रसिद्ध हैं जिन्हें 'आल्हा' कहकर संबोधित किया जाता है।

'आल्हखण्ड' में बताया गया है जिसने कभी जीते जी अपने बैरी को नहीं मारा जिसने ... गया न की, जिसने कभी दान-पुण्य नहीं किया, बम-बम भोले का उच्चारण नहीं किया, माला नहीं जपी।

इसमें आल्हा-ऊदल के महोबे के सरदार को मारने की विजय को बताते हैं।
इन्होंने निश्चय किया था कि इसे सुबह सवेरे मारेंगे।
घर आकर वीर माता-पिता का धन्यवाद देते हैं।

Do Not Write anything in this Portion

(i) कवि प्रदीप ने अनेक राष्ट्रीय गीत लिखे है। जैसे – ऐ मेरे वतन के लोगो ये गाना (पूरब और पश्चिम) फिल्म का है।

इसके साथ उन्होंने प्रसिद्ध गीत लिखा है 'हिमालय की चोटी से आज हमने फिर ललकारा है यह हिन्दुस्तान हमारा है।

उन्होंने दुनियावालों के माध्यम से अंग्रेजो को संबोधित किया था।

'तूफानों से कश्ती निकालकर लाए है' और 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिन्दुस्तान की आदि इनके प्रमुख गीत है।

इन्होंने कविताओं [illegible] कहा कि इस धरती की मिट्टी से अपना तिलक करों क्योंकि यह बलिदान की मिट्टी है।

जलियाँवाला बाग में हुई अंग्रेजों द्वारा मानव और मानवता का चित्रण भी किया है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code A010502T



खण्ड - ब

दीर्घ प्रश्नोत्तर

उत्तर (4)

राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि माखनलाल चतुर्वेदी जी का जन्म सन् 1889 में मध्यप्रदेश के बाबई नामक जिले में हुआ था।

इनके पिता का नाम नंदलाल तथा माता का नाम सुन्दरीबाई था।

इनका विवाह ग्यारसी बाई से हुआ था। ये गाँधी जी की विचारधारा से प्रभावित थे और इन्होंने असहयोग आंदोलन में भाग लिया जिसके कारण इन्हें जेल जाना पड़ा।

इन्होंने 10 साल जेल में बिताए। इसी के दौरान इन्होंने 'पुष्प की अभिलाषा' नामक कविता लिखी।

इनका उपनाम 'एक भारतीय आत्मा' है।

प्रमुख रचनाएँ

माता, मरण ज्वार, कैदी और कोकिला,

Do Not Write anything in this Portion

हिमकिरीटनी, हिमतरंगिनी, समय के पाँव, वेणु के गूँजे धरा, समर्पण, साहित्य के देवता, अमीर इरादे, गरीब इरादे हैं।

इसके अतिरिक्त इन्होंने प्रभा, कर्मवीर, प्रताप आदि पत्रिकाओं का भी संपादन किया। 1955 में 'हिमकिरीटनी' के लिए इन्हें पहला साहित्य अकादमी पुरूस्कार मिला।

सागर यूनिवर्सिटी ने इन्हें डि. लिट की उपाधि दी।
इनकी मृत्यु 1968 में हुई।

पुष्प की अभिलाषा में राष्ट्रीय चेतना

'पुष्प की अभिलाषा' एक ऐसी कविता है जिसमें पुष्प के माध्यम से उन्होंने देश के लिए बलिदान देने की प्रेरणा दी है।

इस कविता में पुष्प न तो देवकन्याओं के आभूषणों में गूँथा जाना चाहता, न तो वह यह आकांक्षा रखता है कि वह प्रेमी द्वारा बनाई गई प्रेमिका के लिए माला में बँधे और प्रेमिका के हृदय को आकर्षित करे।

पुष्प यह भी नहीं चाहता कि उसे सम्राटों के शवों पर डाला जाए और न देवताओं

के चरणों में पड़ना चाहता है। वह सिर्फ यह इच्छा करता है कि हे वनमाली मुझे उस पथ पर फेंक देना जिस पथ पर देश के लिए बलिदान होने के लिए वीर सैनिक जाते हैं।

इस कविता में राष्ट्रीयता की भावना को प्रकाशित किया गया है।

इसमें यह सीख दी है कि न तो हमें कभी किसी आकर्षण में बँधना चाहिए न ही किसी पद प्रतिष्ठा का लोभ करना चाहिए अपितु जब देश की रक्षा की बात आए तो अपना सर्वस्व बलिदान कर देना चाहिए।

उन्होंने यह संदेश दिया है कि यदि आप देश के लिए बलिदान देते हो, त्याग करते हो, अर्पण करते हो, अपने प्राणों की आहुति देते हो तो वही सर्वोत्तम पद है।

हमें अपने देश को प्राणों से प्यारा मानना चाहिए।
अपने देश हित में हमें अपना स्वार्थ नहीं देखना चाहिए।

हमें देश के लिए समर्पित रहना चाहिए।

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion



खण्ड – स

दीर्घ प्रश्नो उत्तरीय प्रश्न

उत्तर (8)

अटल बिहारी वाजपेई जी का जन्म 1924 में मध्यप्रदेश के ग्वालियर में हुआ था। इनकी मृत्यु 2018 में बीमारी के कारण हुई।

यह भारतीय जनता पार्टी के प्रतिष्ठित नेता तथा पहले अध्यक्ष थे। यह देश के प्रधानमंत्री भी रहें हैं 15 वर्षों तक। 2004 के बाद इन्होंने राजनीति में स्वास्थ्य के कारण प्रवेश नहीं किया।

वर्ष 2015 में इन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

अटल बिहारी वाजपेयी जी न सिर्फ राजनेता थे अपितु एक राष्ट्रवादी साहित्यकार भी थे।

इनकी कविताओं में देशप्रेम की भावना मिलती है।

इनकी कविताएँ हैं – 'कदम मिलाकर चलना होगा और 'उन्हें याद करें'

Do Not Write anything in this Portion

अटल बिहारी बाजपेई जी का एक राष्ट्रवादी साहित्यकार के रूप मे मूल्यांकन

इनकी रचना 'कदम मिलाकर चलना होगा' में बाजपेई जी ने राष्ट्रीय एकता की बात कही है उन्होंने कहा कि देश व समाज का विकास तभी संभव है जब सभी साथ में चले।

जब सभी अपना योगदान साथ में देंगे तब हम एक आदर्श समाज की स्थापना करेंगे और इस कारण मार्ग मे अनेक बाधाएँ भी आएँगी, प्रलय की स्थिति भी बन सकती है, हो सकता है कि पैरों के नीचे अंगारे जले या ऊपर से अग्नि की वर्षा हो, हम सब के साथ अच्छे वातावरण में भी हो सकते हैं तथा अकेले भी रह सकते हैं पर हमें मजबूत रहना है, पीड़ाओं में पलना होगा और देश के लिए चलते रहना होगा।

इससे यह स्पष्ट है कि उन्होंने राष्ट्र के विकास को महत्व दिया है जिसकी झलक इसमें देखने को मिलती है।

यदि उनके साहित्य में राष्ट्र के विकास तथा राष्ट्रीय एकता का वर्णन है तो उन्हे राष्ट्रवादी साहित्यकार कहना सर्वथा

Do Not Write anything in this Portion

उचित है।

दूसरी कविता 'उन्हें याद करें' में इन्होंने देश के वीर शहीदों को स्मरण किया है कि किस तरह उन्होंने अंग्रेजों के द्वारा दी गई समस्याओं को झेला है।

वे भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे थे, क्रांति कर रहे थे पर अंग्रेजों ने उन्हें कालापानी जैसी कठोर सजा दी।

उन्होंने यह बात स्पष्ट की कि हमारी स्वतंत्रता कितनी अनमोल है जिसके लिए हमारे देश के वीर शहीदों को प्राणों का बलिदान देना पड़ा।

अतः उनके साहित्य में शहीदों के बलिदान का वर्णन है जिससे सभी को प्रेरणा मिले कि वे भी देश के लिए बलिदान दें तथा अपने प्राणों को न्योछावर कर दें।

इसके आधार पर यह कहा जाता है कि वह राष्ट्रवादी साहित्यकार हैं।

उन्होंने देश हित में योगदान दिया चाहे राजनीति के माध्यम से हो या रचना के।

Paper Code

16

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

17

X

Paper Code

18

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

19

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

20

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

21

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

22

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code



x

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

24

X